विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–2 | अंक–4 | जुलाई–सितम्बर, 2014

www.vidyabhawan.org

संदेश

विद्या भवन खोज–ख़बर का प्रत्येक अंक अपने आप में नवीन एवं उत्साहवर्द्धक है। हर अंक में विद्या भवन की संस्थाओं में होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों के बारे में सूचना आश्वस्त करती है कि प्रत्येक संस्था संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के सहयोग के साथ भावी दिशा में अग्रसर हो रही है। संस्थाओं में सेवारत शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए ना सिर्फ बेहतरीन सेवा–शर्तें वरन् कार्यस्थल पर उचित भौतिक एवं मनोवैज्ञानिक माहौल भी प्रदान करवाया जा रहा है। यही सब सुविधाएं न केवल विद्यार्थियों को अपितु शैक्षणिक क्षेत्र में सेवायें देने के इच्छुक व्यक्तियों को भी विद्या भवन की ओर आकर्षित कर रही हैं। प्रत्येक शैक्षणिक एवं ग़ैर–शैक्षणिक कर्मचारी से यह अपेक्षा करना अनुचित नहीं होगा कि वे इन सुविधाओं का सदुपयोग करते हुए अपनी–अपनी संस्था के उद्देश्यों के अनुरूप संपूर्ण सहयोग एवं समर्पण के साथ सेवा करें। कर्मचारियों के सहयोग से ही संस्था अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल होगी एवं संस्था की सफलता में ही कर्मचारियों को उचित सेवा लाभ प्रदान करने की क्षमता में वृद्धि होगी। संस्था प्रमुख भी कर्मचारियों में सहयोग एवं सौहार्द्र की भावना के विकास की ओर पहल करें। सौहार्द्रपूर्ण सहयोग सफलता के लिये आवश्यक है।

& t kfgn ekgEen

कार्यकारी अधिकारी (एच.आर. एण्ड लीगल)

अंदर देखें...

- ✓ लीडर वह जो ज्यादा सोचे व करे 3
- ✓ विद्यालय का नामांकन बढ़ा 5
- ✓ यात्री प्रतीक्षालय की सार संभाल 6
- ✓ कैंपस इंटरव्यू के लिए आई कंपनियां 7
- ✓ संवाद क्षमता बढ़ाने पर कार्यशाला 9
- ✓ प्रदूषण मुक्त केन्द्र ने लुभाया 10
- ✓ कमियों पर मंथन, आगे की तैयारी 11
- ✓ मौलिक लेखन व तार्किकता बढ़े 12
- ✓ इनस्टेप का अकादमिक समन्वयन 15

स्वाधीनता दिवस : अधिकार के साथ कर्तव्य निर्वहन पर जोर

विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय की मेजबानी में विद्या भवन की सभी संस्थाओं ने 15 अगस्त 2014 को स्वतंत्रता दिवस मनाया। झण्डारोहण के उपरान्त सम्बोधन में सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए अपने कर्त्तव्यों पर ध्यान देने के लिए जोर दिया। मुख्य समारोह से पूर्व अन्य संस्थाओं में भी स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम हुए।

उल्लास से मनाई वर्षगांठ : 'आत्मसात करें विद्या भवन के मूल्य'

डॉ. मोहनसिंह मेहता द्वारा निर्धारित शिक्षा के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहने की प्रेरणा प्रदान करने के उद्देश्य को लेकर विद्या भवन की 83वीं वर्षगांठ विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर मनाई गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व छात्रा डॉ. रेणु कावड़िया ने विद्या भवन में व्यतीत किए समय को याद किया व विद्या भवन के मूल्यों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सोसायटी के अध्यक्ष रियाज़ तहसीन ने संस्था के उद्देश्यों को बदलाव के इस दौर में भी प्रासंगिक बताया। विद्याभवन की संस्थाओं के संकाय सदस्य, पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर राजस्थानी कला व संस्कृति से रूबरू कराती मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं तथा ट्रैकिंग की गई।

सम्पादकीय...

विद्या भवन खोज-ख़बर न्यूजलैटर का अंक-4 आपके हाथ में है। आशा है आपको पसंद आएगा। हमें भी पिछले अंक पर पाठकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। इससे हमारा भी उत्साह बढ़ा है। संपादकीय टीम ने रिपोर्टर्स की कार्यशाला की थी, जिसमें सभी संस्थाओं से एक-एक रिपोर्टर ने भाग लिया था। वे अपनी संस्था की खबरें बना कर लाए थे, जिन्हें न्यूज़लैटर के अनुरूप बनाना सीखा। इसका प्रमुख पक्ष खबर को संख्यागत सूचना तक सीमित ना करते हुए उसके प्रभाव को भी दर्शाना है। तीन समूहों में उन्होंने खबरों का संपादन किया। किस तरह प्रभावी फोटो खींचे जाएं इसकी प्रारम्भिक जानकारी भी दी गई। उनका उत्साह उनकी खबरों में झलक रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक तीन महीने में क्षमतावर्द्धन के लिए कार्यशाला करें। इसके पीछे मंशा यह है कि हर संस्था में एक रिपोर्टर तैयार हो जो संस्था की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करें तथा समय-समय पर अखबारों में भी संस्था के समाचार दे सके। शिक्षक एवं प्राध्यापक अपने शैक्षिक अनुभवों को जरूर लिखें ताकि चर्चा का एक सार्थक मंच इस न्यूजलैटर के माध्यम से तैयार हो सके। रिपोर्टर के साथ संस्थाओं के प्रत्येक कार्यकर्ता को भी जागरूक रहना होगा ताकि वे भी अपनी संस्था की चाहे छोटी-से-छोटी ख़बर हो उसे खोज-ख़बर न्यूजलेटर के माध्यम से सभी को साझा करने का प्रयास कर सकें। विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अनुभवों का समावेश करने से यह न्यूजलैटर संस्था की प्रगति का समग्र दस्तावेज बनेगा।

विद्या भवन अकादमिक सलाहकार समिति

विद्या भवन सोसायटी की अकादमिक सलाहकार समिति की 6 बैठकें शैक्षिक सलाहकार डॉ. हृदयकान्त दीवान की अध्यक्षता में हुईं। संस्थावार पंच–वर्षीय योजना, क्वालिटी फ्रेमवर्क, फाइनेन्शियल सस्टेनेबिलिटी प्लान के प्रस्तुतीकरण के साथ उन पर चर्चा हुई।

अकादमिक सलाहकार समिति के विचार–विमर्श को सभी संस्थाओं के कार्यकर्ताओं तक ले जाने के लिए संस्थान स्तरीय मासिक बैठकों का कैलेण्डर बनाया गया। इन बैठकों की सूचना संस्थाओं द्वारा ई–मेल से प्रसारित की जाएगी जिससे कि अन्य संस्था प्रधान भी शिरकत कर सकें। ये बैठकें प्रारम्भ हो चुकी हैं। संस्था प्रधानों के लिए अपनी कार्य–प्रगति से संबंधित स्वमूल्यांकन के प्रपत्र दिए गए। दूरगामी योजना निर्माण पर अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के दिलीप रांजेकर का पत्र संस्था प्रधानों के साथ साझा किया गया। इसके चार मुख्य बिन्दु थे– विद्या भवन के लिए 'कॉमन थीम', निर्धारित अन्तराल पर रिपोर्टिंग व रिव्यू, संस्था प्रधान द्वारा दस्तावेजीकरण और कार्यक्रम के अनुसार 'चैम्पियन्स' नियुक्त करना।

संस्था प्रधानों से अपेक्षा की गई कि वे विद्या भवन के संविधान का अध्ययन करें और विद्या भवन के उद्देश्यों के अनुरूप अपनी संस्था की प्रगति सुनिश्चित करें। सदस्यों ने विद्या भवन में मुख्य संचालक के पद की आवश्यकता व औचित्य पर भी अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

समिति की उपर्युक्त बैठकें 9 जुलाई, 16 जुलाई, 11 अगस्त, 15 सितम्बर, 29 सितम्बर व 30 सितम्बर 2014 को हुईं।

पाठकों के पत्र

आदरणीय श्रीमान् रियाज सा. 25.09.2014
अध्यक्ष, विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर

आपके द्वारा भेजा गया 'विद्या भवन खोज–ख़बर' का अंक–3 प्राप्त हुआ। मैंने पूरा पढ़ा तथा इस पर मनन किया। सभी पेजों का विवरण अच्छा तथा सोचने लायक है। श्रीमान् दीवान सा. के संदेश ने मुझे बहुत ही प्रभावित किया। जो बातें उन्होंने बताई हैं वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं। 'कार्यकर्त्ताओं में स्व–प्रेरणा और नेतृत्व विकास के प्रयास' वाला अंश बहुत ही अच्छा व शिक्षाप्रद है। विद्या भवन की गतिविधियों के बारे में पूरे विवरण के साथ अंक की छपाई बहुत ही अच्छी है। प्रत्येक अंक को उन लोगों के पास भी भेजना चाहिए जो कि विद्या भवन के हितैषी व मददगार हैं। इतने समय तक मैं समझ रहा था कि विद्या भवन की गाड़ी पटरी से उतर गई है, परन्तु इस अंक को पढ़ने के बाद मेरी सोच में परिवर्तन आया व 40 साल पुरानी बातें याद आने लगी। इस अंक द्वारा यह भी ज्ञात हुआ कि अब संस्था में योग्य व्यक्तियों को ही नियुक्ति दी जा रही है। यह संस्था के लिए अच्छा संकेत है। संस्था का रिजल्ट अच्छा रहा। यह संस्था के लिए हित की बात है। रिजल्ट द्वारा ही संस्था की पहचान बनती है। संस्था का भविष्य अच्छा तथा हितकारी बना रहे। संस्था का वातावरण प्रेममय बना रहे तथा उसकी माली हालत में सुधार होता रहे। संस्था द्वारा उन लोगों को भी याद करना चाहिए जो कि यहां से पढ़कर अच्छी जगह कार्य कर रहे हैं, उनसे भी संस्था को मदद मिल सकती है। मैं एक छोटी सी रकम 5001/– चैक द्वारा भेज रहा हूं, कृपया इसे स्वीकार करें।

आपका,

?khlyky ekg'ojh, चित्तौड़गढ़
(विद्या भवन सोसायटी की साधारण सभा के सदस्य एवं सोसायटी के पूर्व मुख्य लेखापाल)

सलाहकार
हृदय कांत दीवान

संपादन
हिमालय तहसीन ✦ गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

लीडर वह जो ज्यादा सोचे व करे

विद्या भवन सोसायटी की कार्यकारिणी व विद्याबंधु संघ के सदस्य जगमोहन दवे ने कहा कि लीडर वह होता है जो ज्यादा सोचे और ज्यादा करे। वे विद्यालय की छात्र परिषद् के शपथ–ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हैड बॉय, हैड गर्ल, वाईस हैड बॉय एवं वाईस हैड गर्ल व चारों हाऊस के कैप्टन व वाईस कैप्टन को शपथ दिलाई। श्री दवे ने अपने विद्या भवन छात्र जीवन के अनुभव भी सुनाए। विद्यालय की प्राचार्या उषा किरण ने छात्र परिषद् के नियम एवं कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

बच्चों में झलकता है आत्मविश्वास

सीनियर स्कूल एवं जूनियर स्कूल की संयुक्त शिक्षक–अभिभावक बैठक आयोजित की गई। अभिभावकों ने अपनी बात कही एवं उनके साथ विद्या भवन की विशेषताओं को साझा किया गया। अभिभावकों ने स्कूल के विभिन्न शैक्षिक पक्षों पर अपने विचार रखे। उनका मानना था कि विद्यालय में बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर पढ़ाया जाता है, उन पर दबाव नहीं डाला जाता तथा यहां पढ़ने वाला बच्चा आत्मविश्वास से भरा होता है, किसी भी प्रकार के कार्य को करने में झिझकता नहीं है। अभिभावकों ने अंग्रेजी में बच्चों की दक्षता बढ़ाने का सुझाव दिया। प्राचार्या ने बताया कि स्कूल में सभी विषयों पर समान रूप से ध्यान दिया जाता है, फिर भी कक्षा–2 से ही यह प्रयास प्रारंभ किया है कि बच्चा दैनिक जीवन में काम आने वाले शब्दों को अंग्रेजी में ही बोले। इसके सकारात्मक परिणाम भी मिले हैं। इसके साथ ही प्राचार्या ने पावर–पॉइंट के माध्यम से विद्यालय की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। विद्यालय में 6 से 30 अगस्त तक हुई प्रथम सामयिक जांच के परिणामों से भी अभिभावकों को अवगत कराया गया।

स्वच्छता के लिए जागरूकता

जिला प्रशासन द्वारा आमजन के सहयोग से उदयपुर शहर को सुन्दर एवं विकसित करने के लिए "एक्शन उदयपुर कार्यक्रम" चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत ऑडिटोरियम में पावर–पॉइन्ट प्रजेन्टेशन द्वारा विद्यार्थियों को सार्वजनिक स्थलों के सौन्दर्यीकरण सम्बन्धी कार्यों को बताते हुए उन्हें जागरूक किया गया। छात्रों द्वारा विद्यालय की मुख्य दीवार का रंग–रोगन किया गया। कार्यक्रम से प्रेरित होकर विद्यालय में अलग–अलग स्थानों पर विद्यार्थियों ने दल बनाकर श्रमदान किया।

कागज पर उतरे प्रकृति के रंग

प्रकृति के विविध रंगों को कला के माध्यम से उकेरने एवं पर्यावरण को स्वच्छ, हरा–भरा एवं संरक्षित करने के उद्देश्य से "ओरियन ग्रुप जयपुर एवं विद्याभवन स्कूल" के संयुक्त तत्वावधान में चित्रकला प्रतियोगिता हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शाला परिसर में पौधरोपण किया गया।

संस्कृत में बनाएं अपना भविष्य

राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर द्वारा संचालित दस दिवसीय निःशुल्क संस्कृत सम्भाषण शिविर विद्यालय में आयोजित हुआ। समापन समारोह में प्राचार्या उषा किरण ने कहा कि इस शिविर से विद्यार्थियों में संस्कृत विषय के प्रति रुचि जागृत हुई है। संस्कृत का अध्यापन कर बच्चे अपना भविष्य इस क्षेत्र में बना सकेंगे। विद्यार्थियों ने संस्कृत में नाटक, स्वपरिचय, दिनचर्या, वार्तालाप, श्लोक, संख्या ज्ञान, गीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

लक्षित व सोनू चित्रकला में प्रथम

स्कूल में 'मेरे सपनों का भारत' और 'उभरता हुआ भारत' विषयक चित्रकला प्रतियोगिता हुई। 'मेरे सपनों का भारत' विषयक प्रतियोगिता में लक्षित चौबीसा प्रथम, करण मेघवाल द्वितीय एवं खुशबू राठौड़ तृतीय रही। 'उभरता हुआ भारत' विषयक प्रतियोगिता में सोनू मेघवाल प्रथम, हेमलता पंवार द्वितीय एवं सोनिया कलासुआ तृतीय रही।

जूनियर स्कूल में शुरू हुई कंप्यूटर लैब

जूनियर स्कूल के विद्यार्थियों को अब कंप्यूटर सीखने के लिए सीनियर स्कूल की लैब में नहीं जाना पड़ेगा। इस सत्र से कंप्यूटर की कक्षाएं जूनियर स्कूल में संचालित की जा रही हैं। कक्षा पहली से पांचवी तक के सभी बच्चे यहां कंप्यूटर सीख रहे हैं।

फिल्म समारोह में शिरकत

आर.सी.ए. कॉलेज में बच्चों की फिल्मों के प्रदर्शन में जूनियर स्कूल के 20 बच्चों

ने भाग लिया। फिल्म निर्देशक संजय मट्टू ने बच्चों से बातचीत की।

नन्हें–मुन्नों ने बांटे मेले के अनुभव

नर्सरी स्कूल के नन्हें–मुन्नों ने कक्षा में हरियाली अमावस्या के मेले के अनुभव सुनाए। वे अभिभावकों के साथ मेले में गए थे। कक्षा अध्यापिका ने मेले में क्या–क्या सावधानियां रखनी चाहिए इस पर चर्चा की और बच्चों के अनुभवों को चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाया। इसी तरह, बच्चों को ईद की जानकारी दी गई। अगस्त में राखी का त्यौहार मनाया गया। दो दिन पहले बच्चों ने कक्षा अध्यापिका के साथ राखियां बनाई। बच्चों ने एक दूसरे को राखी बांधी व मिठाई खिलाई। राखी बनाने के लिए पेपर, थ्रेड, रिबन का उपयोग किया गया।

बच्चे बने बापू, नेहरू

नर्सरी–सेक्शन में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी पूरे सप्ताह की गई। बच्चों ने देशभक्ति गीतों की तैयारी की एवं कविताएं सीखीं। उन्होंने झण्डे व स्वतंत्रता दिवस से संबंधित चार्ट बनाए। एक दिन पूर्व बच्चे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस आदि के वेश में स्कूल आए। बच्चों ने अपनी यूनिफार्म पर झण्डे लगाए। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस क्यों मनाते हैं, हमारे देश को आजादी कैसे मिली आदि बातें भी सीखीं।

अभिभावकों ने जानी बच्चों की प्रगति

नर्सरी स्कूल में नए बच्चों के अभिभावकों की बैठक रखी गई। अभिभावकों को विद्यालय की जानकारी दी गई तथा स्कूल की गतिविधियों से अवगत करवाया गया। बैठक के बाद अभिभावकों ने कक्षा अध्यापिका से अपने बच्चे की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त की। इस मौके पर अभिभावकों के लिए खेलों का भी आयोजन किया गया।

मोण्टेसरी–डे पर खेले–कूदे, शिक्षक दिवस पर बनाए कार्ड्स्

नर्सरी स्कूल में 30 अगस्त को मोण्टेसरी–डे मनाया गया। बच्चों को

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर झण्डारोहण एवं मार्च–पास्ट हुआ। अतिथि विद्या बंधु गजेन्द्र बोहरा व प्रो. एम.पी. शर्मा ने परेड की सलामी ली।

मदर मोण्टेसरी के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों ने कई बालगीत गाए व डांस किए। उसके बाद वे राजीव गांधी पार्क गए जहां बच्चों ने कई गतिविधियां कीं तथा प्रकृति व पशु–पक्षियों के बारे में जाना। वहां बनी अलग–अलग जानवरों की मूर्तियों को देखा, खूब दौड़े, भागे, कूदे और मज़े किए। इसी प्रकार, 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर बच्चों ने अध्यापिकाओं के लिए काड्र्स बनाकर भेंट किए।

नरेश राज्य स्तरीय टीम में

59वीं जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता (17 वर्ष) में विद्यालय के छात्र नरेश गमेती का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ। नरेश ने 59वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक छात्र बैडमिंटन की 17 वर्ष आयुवर्ग की दलीय स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता दी क्रिएटिव ब्रेन एकेडमी उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुंजोल, नाथद्वारा में हुई थी।

जिलास्तरीय हॉकी में स्कूल अव्वल, राज्य स्तर पर चुने गए 7 खिलाड़ी

शिक्षा विभाग की ओर से सितंबर में हुई 59वीं जिला स्तरीय नेहरू हॉकी (17 व 19 वर्ष) में विद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हॉकी (17 वर्ष) में विद्यालय की टीम से कक्षा–10 के मंशाराम मीणा, भगवान सिंह मीणा और भीमाराम गरासिया का चयन राज्य स्तर पर हुआ। तीनों छात्रों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विराट नगर, जयपुर में आयोजित प्रतियोगिता में छठा स्थान प्राप्त किया। मंशाराम मीणा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। हॉकी (19 वर्ष) में प्रदीप कुमार मीणा, राजेश कुमार मीणा, दिनेश कुमार गरासिया व विजयसिंह मीणा का चयन राज्य स्तर पर हुआ।

हॉकी में जिले का प्रतिनिधित्व

राजकीय माध्यमिक विद्यालय खुदानपुरी, अलवर में 59वीं राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता (14 वर्ष) आयोजित हुई। प्रतियोगिता में विद्यालय के पांच छात्र राजेन्द्र मीणा, सचिन मीणा, चिराग तेजावत, अरुण कुमार मीणा व अजय कुमार मीणा ने शारीरिक शिक्षक कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया।

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

विद्यालय का नामांकन बढ़ा

विद्यालय के शिक्षकों ने आस–पास के गांवों में सर्वे किया और अभिभावकों से संपर्क कर विद्यालय में 115 नए छात्र–छात्राओं को जोड़ा। इसके साथ ही विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 316 हो गई है। प्राइमरी सेक्शन में 53 बच्चों के प्रवेश हुए और 62 बच्चों ने 6 से 12 तक की कक्षाओं में प्रवेश लिया।

वॉलीबॉल में रामगिरि फिर चैम्पियन

59वीं जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता विद्या भवन, रामगिरि स्कूल की मेजबानी में की गई। प्रतियोगिता में 43 विद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। स्कूल की बालिकाओं की टीम ने 19 वर्ष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 17 वर्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालकों की टीम ने 19 वर्ष वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

राज्य स्तर पर खिलाड़ी चयनित

वॉलीबॉल में विद्यालय के विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर चयन हुआ जिसमें 19 वर्ष आयु वर्ग में किरण डांगी, रेणु राठौड़, सरोज राठौड़ व जगदीश डांगी तथा 17 वर्ष आयु वर्ग में सुनिता डांगी (प्रथम), सुनिता डांगी (द्वितीय) व पूनम राव शामिल हैं।

सिक्योर मीटर द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी

सिक्योर मीटर लिमिटेड की ओर से विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों ने सीखा कि आस–पास के वातावरण से संबंधित चीजों को जोड़कर किस प्रकार के प्रयोग किए जा सकते हैं।

47वां जिला स्तरीय विज्ञान मेला

'विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं जनसंख्या शिक्षा' विषयक 47वां जिला स्तरीय विज्ञान मेला विद्यालय में लगा। मेले में 103 स्कूलों के 358 बाल वैज्ञानिकों ने अपने मॉडल प्रदर्शित किए। सेमीनार, वाद–विवाद, क्विज, लोक नृत्य, रोल प्ले प्रतियोगिताएं हुईं। मुख्य अतिथि खगोलविद् प्रो.एस.एन. जाफरी थे। संचालन मंजु श्रीमाली ने किया। अतिथियों ने प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र व स्मृति–चिह्न प्रदान किए। इस मौके पर शिक्षाविद् प्रो.ए.बी. फाटक, प्रो.एस.आर. मालू भी उपस्थित थे।

आपदाओं से बचाव पर नाटिका

बच्चों के सृजनात्मक कौशल को प्रोत्साहन देने के लिए विद्यालय की शिक्षिका मंजु श्रीमाली ने स्वरचित नाटिका तैयार कराई जिसे विद्या भवन के स्थापना दिवस पर प्रस्तुत किया गया। नाटिका बादल व बारिश की दुखभरी कहानी तथा आपदाओं से बचने के लिए सही राह पर चलने की प्रेरणा देती है। नाटिका में शुभम चौबीसा, सतीश सुथार, हुनर पण्ड्या, सुध्या सुथार, भुवनेश्वरी पंवार व रेणुका जोशी तथा आशा देवड़ा ने विभिन्न भूमिकाएं अदा कीं।

शाला पंचायत का गठन

शाला पंचायत के लिए विद्यार्थियों ने मतदान किया। कक्षा–12 के जगदीश डांगी अध्यक्ष बने। प्रधानाचार्या मधुलिका कोठारी ने पंचायत सदस्यों को पद एवं कर्त्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

रोप–वे की कार्यप्रणाली समझी

के.जी. से कक्षा–3 तक के विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण के लिए गुलाबबाग गए। बच्चों ने वहां वन्य जीव तथा पालतू जानवरों का वर्गीकरण जाना। कक्षा–4 व 5 के बच्चे रोप–वे में बैठकर करणीमाता मंदिर गए। इंजीनियर आलोक शर्मा ने बच्चों को रोप–वे की कार्यप्रणाली बताई। बच्चों ने रेलवे स्टेशन पर टिकट बुकिंग, प्रतीक्षा–कक्ष के बारे में जाना। बच्चों ने अनुभवों को लिखा।

प्रतिभा भार्गव का सम्मान

दैनिक भास्कर व वेदान्ता ग्रुप की ओर से आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका प्रतिभा भार्गव को शैक्षिक उपलब्धियों एवं शिक्षा के प्रति समर्पण के लिए शॉल व प्रशस्ती–पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हिन्दी दिवस पर प्रतियोगिताएं

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी सप्ताह मनाया गया। शिक्षक इन्दरलाल ने हरिवंश राय बच्चन का जीवन परिचय व उनकी कविता 'अग्निपथ' प्रस्तुत की। कक्षा–9 से 12 तक 'अच्छे नागरिक बनने में शिक्षक की भूमिका अनिवार्य है' विषय पर वाद–विवाद रखा गया। कक्षा–6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता हुई जिसका विषय था 'अच्छे नागरिक बनने में अच्छी आदतों का होना'। आशुभाषण में विजय प्रथम तथा वाद विवाद में कल्पना जैन व पूनम राव प्रथम रहे।

ग्रीन–डे मनाया

विद्यालय में ग्रीन डे मनाया गया। इस दिन प्राइमरी सेक्शन के बच्चे हरे रंग के कपड़े पहन कर आए तथा बच्चों ने कोलाज बनाया। बच्चों ने पांच ग्रुप में बंटकर कोलाज के रूप में प्रकृति के सुन्दर दृश्यों का निर्माण किया।

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

यात्री प्रतीक्षालय की सार-संभाल

कक्षा–7 व 8 के विद्यार्थियों ने अपनी नागरिक ज़िम्मेदारी का परिचय देते हुए देवाली बस स्टैण्ड पर यात्री प्रतीक्षालय की सफाई की। कूड़ा, जाले, पोस्टर हटाकर प्रतीक्षालय को निखार दिया। साथ ही स्थानीय लोगों में जागरूकता लाने एवं अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पूर्व एक्शन उदयपुर प्रोजेक्ट की कार्यशाला हुई जिसमें मुख्य कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुधीर दवे ने शहर में स्वच्छता कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सबकी भागीदारी की अपील की।

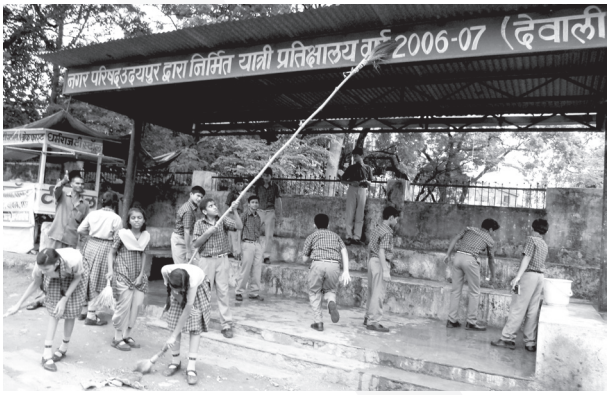

संस्कृत संभाषण रिकॉर्डिंग कार्यक्रम

छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराने तथा संस्कृत में वार्तालाप करने की आदत विकसित करने के उद्देश्य से संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता हुई। सी.बी.एस.ई. की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में कक्षा–9 के हर्षित शर्मा एवं गुंजन सिंह ने भाग लिया।

किशोरावस्था पर बनाई समझ

वरिष्ठ एंडोक्रिनोलॉजिस्ट डॉ.डी.सी. शर्मा ने किशोरावस्था में होने वाले सांवेगिक व शारीरिक परिवर्तनों पर विद्यार्थियों को जानकारी दी। छात्र–छात्राओं ने भी प्रश्नोत्तर कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। बच्चों के रक्त समूह की जांच की गई, ऊंचाई और वजन लिए गए एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बैंकिंग एवं सामान्य ज्ञान क्विज

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से ऑल इण्डिया इण्टर स्कूल आर.बी.आई. क्विज सुखाड़िया विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में हुई। इसमें विद्यालय के तरुणा चौहान, विश्वेन्द्र सिंह राजपुरोहित, दिव्यांश भण्डारी, निसर्ग व्यास, सुदर्शन सिंह गहलोत, हर्षित शर्मा, शुभम राउत, धारिणी जैन, यक्षप गोहिल एवं दीपक सिंह ने भाग लिया। उन्होंने बैंकिग और सामान्य ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्नों के बढ़–चढ़ कर उत्तर दिए।

जैव विविधता के बारे में जाना

विद्यालय के 9वीं तथा 10वीं के विद्यार्थियों ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर नेचर ट्रिप में भाग लिया। सी.ई.ई., जयपुर के जितेश शेल्के ने जैव विविधता पर फिल्म प्रदर्शित की। बच्चों ने वनस्पतियों एवं जीवों की विभिन्न प्रजातियों पर प्रश्न किए। उन्होंने भारत में लुप्तप्रायः गिद्धों के संरक्षण की अपील व जैव विविधता के लाभ बताए।

पक्षियों की प्रकृति का अध्ययन

प्राथमिक कक्षाओं के छात्र–छात्राओं ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र का भ्रमण किया। विषय विशेषज्ञ विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय के प्राध्यापक गिरीश शर्मा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जी.पी.एस.) के माध्यम से दिशा, दूरी व ऊंचाई ज्ञात करना सीखा। पक्षी विशेषज्ञ विनय दवे ने विभिन्न पक्षियों की प्रजातियों, उनकी गतिविधियों और आवाजों से उनकी पहचान करने की जानकारी दी। कुछ ही समय पहले तक घर–घर में मिलने वाली गौरैया के विलुप्ती के कगार पर होने की जानकारी देते हुए उसके संरक्षण के उपाय बताए।

आण्विक विध्वंस पर मूकाभिनय

पश्चिम बंगाल से आए सुशान्तों दास एवं शाग्निक चक्रवर्ती ने प्रभावी मूकाभिनय प्रस्तुत किया। उन्होंने आण्विक शक्ति के प्रयोग से विश्व में विध्वंस का प्रभाव दिखाया गया। मुख्य उद्देश्य किसी विचार, कहानी, कविता की प्रस्तुति में मूकाभिनय का प्रयोग दर्शाना था।

विद्यार्थी करें सृजनात्मक चिंतन

जनाग्रह केन्द्र, बेंगलुरु के तत्वावधान में नागरिक शिक्षा कार्यक्रम हुआ। कक्षा आठवीं के छात्र–छात्राओं को सृजनात्मक चिंतन करने, समस्या समाधान, निर्णय क्षमता के संवर्द्धन एवं खुले विचारों से युक्त होने का संदेश दिया गया। इस मौके पर नागरिकों की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई ।

शाला में आए नए शिक्षक

विद्यालय के शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या 13 से बढ़कर 23 हो गई है। शारीरिक शिक्षा, कला व संगीत के नए शिक्षक आए हैं। विद्यार्थी भी कला व संगीत, खेलों एवं अन्य सृजनात्मक कार्यों में रुचि ले रहे हैं।

जूडो में सुशांत राज्य स्तर पर चयनित

विद्यालय के सुशांत जैन का राज्य स्तरीय जूडो में चयन हुआ है। सत्र में विद्यालय के 16 विद्यार्थियों ने बैडमिन्टन, 5 विद्यार्थियों ने टेबल–टैनिस एवं 12 विद्यार्थियों ने जूडो में भाग लिया है।

जूडो में आठवीं कक्षा के छात्र सुशांत जैन को जिला स्तर पर स्वर्ण, गरिमा पाटीदार को रजत पदक एवं सातवीं के भैरू सिंह को कांस्य पदक मिला।

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

नई तकनीकों से पढ़ाने की अनुशंसा

अकादमिक सलाहकार समिति की संस्थान स्तरीय बैठक में "आई–गिव चैलेन्ज" के उद्देश्य व कार्यप्रणाली से संकाय सदस्यों को अवगत कराया गया। साथ ही यूनिवर्सिटी के द्वारा प्रश्न–पत्र प्रणाली में परिवर्तनों की जानकारी देते हुए नए पैटर्न से पढ़ाने के निर्देश दिए। शिक्षण में नई तकनीकों का समावेश करने की अनुशंसा की गई।

दिव्यांशु अध्यक्ष निर्वाचित

कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव में विद्यार्थियों ने अनुशासन के साथ बढ़–चढ़ कर भाग लिया। छात्रसंघ अध्यक्ष दिव्यांशु चारण, उपाध्यक्ष निर्मल पालीवाल, महासचिव नरेश कुमार मीणा, संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार मीणा निर्वाचित हुए। छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों के लिए निर्वाचन की कार्यप्रणाली सीखने का अवसर भी बने।

कैम्पस इंटरव्यू के लिए आई कंपनियां

महाविद्यालय में आईडीबीआई, फैडरल एंड लाईफ इंश्योरेंस आदि कंपनियों ने कैम्पस इंटरव्यू किए। यूरेका फॉर्ब्स ने साक्षात्कार किए, जिनमें 35 छात्रों का प्राथमिक चरण में चयन हुआ। इसके साथ ही महाविद्यालय की प्लेसमेण्ट कमेटी ने मार्केटिंग कंपनियों में रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

विषयों में रोजगार पर व्याख्यान

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों ने संबंधित विषयों में विद्यार्थियों के लिए रोजगार की संभावनाओं पर विशेषज्ञों के व्याख्यान करवाए।

वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से हुए व्याख्यान में जिला वन अधिकार डॉ.सतीश शर्मा ने "जैव विविधता एवं संरक्षण" के क्षेत्र में वैश्विक प्रयासों की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण के विविध कार्यों की जानकारी दी।

जीव विज्ञान विभाग की ओर से हुए व्याख्यान में विश्वविद्यालय के मत्स्यकी विभाग के प्रो.बी.के. शर्मा ने मत्स्य पालन, जल गुणवत्ता, मछलियों में होने वाली बीमारियों की जानकारी दी। उन्होंने मत्स्यकी क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं रोजगार की संभावनाओं के साथ ही विभिन्न प्रकार के जाल बनाने की तकनीक से अवगत कराया।

रसायन शास्त्र विभाग की ओर से हुए व्याख्यान में डॉ. इन्दू कोठारी ने फाईटोकेमेस्ट्री के बारे में रोचक जानकारियां दीं।

कॉमर्स विभाग की ओर से हुए व्याख्यान में सी.सी.एम.एस. कॉलेज के प्रो.सी.एम. जैन ने टैक्स की बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट किया।

बहुवैकल्पिक प्रश्न निर्माण व शिक्षा पर शोध की कार्यशालाओं में शिरकत

महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज राजगुरु ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की ओर से आयोजित "बहुवैकल्पिक प्रश्न निर्माण" कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने एस.आई.ई.आर.टी. की ओर से पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक शिक्षा पर आधारित शोध के आकल्प निर्माण के लिए आयोजित कार्यशाला में भी भाग लिया।

अंतर्कक्षा संस्कृत ज्ञान प्रतियोगिता

संस्कृत भाषा के प्रति जागरूकता लाने के लिए संस्कृत विभाग की ओर से अंतर्कक्षा संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना जैन के सान्निध्य में 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान पर तृतीय वर्ष के भंवरलाल डांगी, द्वितीय स्थान पर तृतीय वर्ष की सविता भगोरा तथा तृतीय स्थान पर द्वितीय वर्ष के केशुलाल गमेती रहे।

प्रतिस्पर्धा से मुक्त रहे हिन्दी

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी ने हिंदी को प्रतिस्पर्धा एवं प्रतिष्ठा के दायरे से मुक्त रखने का आग्रह किया। वे महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। हिंदी सप्ताह के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. सरस्वती जोशी के निर्देशन में कन्या भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, भ्रष्टाचार आदि विषयों पर आशुभाषण प्रतियोगिता में 10 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 'हिंदी का भविष्य' विषयक निबंध प्रतियोगिता में अन्य विभागों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। हिन्दी सामान्य व्याकरण ज्ञान प्रतियोगिता में 40 प्रतिभागियों ने उपस्थिति दर्ज की। कविता पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित कविताएं भी पढ़ी गईं। इस मौके पर 'हिंदी बोलना समाज में हमारी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है' विषय पर वाद–विवाद भी हुआ।

एन.एस.एस. की समिति गठित, स्वयंसेवकों ने पौधे रोपे

नए सत्र के लिए महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी नियुक्त किए गए। इकाई–1 में डॉ. सरस्वती जोशी एवं इकाई–2 में डॉ. समीर व्यास को नियुक्त किया गया। एन.एस.एस. की इकाई के उद्घाटन के साथ स्वयंसेवकों का परिचय हुआ।

निदेशालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रमों के तहत जुलाई में स्वयंसेवकों ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रतिज्ञा की एवं 35 पौधे रौपे गए।

अगस्त में राष्ट्रीय सेवा योजना की सलाहकार समिति का गठन करते हुए डॉ.टी.पी. शर्मा को अध्यक्ष तथा डॉ. सरस्वती जोशी को सचिव नियुक्त किया गया। एक दिवसीय शिविर लगाया गया

जिसमें डॉ. समीर व्यास ने स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी दी। सितंबर में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता तथा डॉ. मनोज राजगुरु का व्याख्यान हुआ।

पादप प्रजातियों का संग्रह

बॉयोलोजी विभाग के छात्र–छात्राओं ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र का भ्रमण किया। उन्होंने स्थानीय जन्तु व पादप प्रजातियों को जाना। विद्यार्थियों ने हर्बेरियम के लिए पादप प्रजाति का संग्रहण किया। डॉ. अनिता जैन व डॉ.सुषमा जैन ने केन्द्र पर बोसविलिया सिरेटा, बांस, खाखरा, खेर आदि की जानकारी दी।

रसायन विज्ञान विभाग की लैब विजिट

महाविद्यालय के एम.एस.सी. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों ने सी.टी.ए.ई. की रसायन विज्ञान लैब का भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में काम में आने वाले उपकरणों की तकनीकी जानकारी प्राप्त की।

विद्या भवन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बनाया सब्जियों का चीला, पौष्टिक बर्फी

केन्द्र में प्रशिक्षण के लिए आई कार्यकर्ताओं ने सब्जियों का चीला, पौष्टिक बर्फी, कद्दू की बर्फी, मूंगफली आदि के व्यंजन बनाना सीखा। ये पौष्टिक व्यंजन घरेलू खाद्य पदार्थों द्वारा बनाए जा सकते हैं। प्रशिक्षणार्थियों ने नई विधि से बनाए गए व्यंजनों का खूब आनन्द लिया और ये भी जाना कि इन सुस्वादु व्यंजनों द्वारा कुपोषण को दूर किया जा सकता है। खाद्य एवं पोषाहार बोर्ड द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में चिकित्सक व अनुदेशिकाओं द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 141 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आई.सी.डी.एस. की सेवाओं में बदलाव

आई.सी.डी.एस. की मुख्य सेवाओं को चार सेवाओं में परिवर्तित कर दिया गया है– प्रारम्भिक बाल्यावस्था की देखभाल एवं विकास, देखभाल तथा पोषण परामर्श, स्वास्थ्य सेवाएं तथा समुदाय की लामबंदी जागरूकता एवं समर्थन। निपसिड, दिल्ली द्वारा आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने के बारे में केन्द्रों के अनुदेशकों का सुग्राह्यता कार्यक्रम हुआ जिसमें केन्द्र की वर्षा चौधरी ने भाग लिया।

सहायिकाओं ने सीखा हस्ताक्षर करना

प्रशिक्षण में सिरोही जिले की 15 सहायिकाओं ने हस्ताक्षर करना सीखा। अधिकतर सहायिकाएं 45 से 50 वर्ष आयुवर्ग की थीं। कार्यकर्ता और सहायिकाओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण में 208 कार्यकर्ता व 92 सहायिकाओं ने भाग लिया। पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति के साथ आई.सी.डी.एस. के नए बदलाव की जानकारी, आंगनवाड़ी और समुदाय के बीच जुड़ाव के तरीकों तथा शालापूर्व शिक्षा के महत्त्व की जानकारी दी।

शैक्षणिक संवाद की पत्रिकाएं

त्रैमासिक पत्रिकाएं "शिक्षा की बुनियाद" अंक–9 और "खोजें और जानें" अंक–10 प्रकाशित हुईं। "शिक्षा की बुनियाद" के इस अंक में अनुराग बेहार का 'रेगिस्तान के स्कूल के बहाने' लेख मरूभूमि में (राजस्थान) अच्छे ढंग से संचालित एक सार्वजनिक स्कूल की मिसाल पेश करता है। उमाशंकर पैरियाडी का लेख हमें बताता है कि किस प्रकार सीखने की शुरूआत हमारे घर से होती है और यह तब समझ में आता है कि सीखना कितनी सहज प्रक्रिया है। सुभाष रावत का लेख एक जीवंत शिक्षक की दास्तान को प्रस्तुत करता है। गुणसागर शर्मा 'सत्यार्थी' का लेख सरकारी तंत्र के 'प्रवेशोत्सव' / 'स्कूल चलो अभियान' की जड़ता और प्रभावहीनता को बयां करता है वहीं लेखक संजीव बिजल्वाण शिक्षकों की स्वायत्तता की पैरवी करते हैं। लेव तोलस्तोय का रोमां रोलां के नाम पत्र शारीरिक श्रम को महत्त्व देते हुए कहता है कि श्रम से हर मनुष्य में नैतिकता का विकास होगा। महेन्द्र कुमार मिश्र का लेख समुदाय की सृजन की बारीकियों व उसकी शिक्षा में उपयोगिता को रेखांकित करता है।

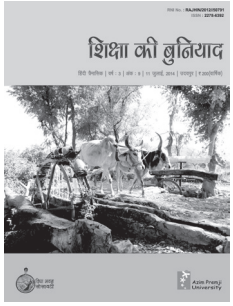

"खोजें और जानें" का यह अंक 'स्कूल : सजा या मजा' विषय पर केन्द्रित था। हमारे विद्यालय बरसों से बच्चों के लिए सजा के केन्द्र बने रहे हैं और ये सजा केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक और आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाली भी होती है। "खोजें और जानें" के ताजा अंक में सजा के इन्हीं पहलुओं पर विचार करने की कोशिश की गई है।

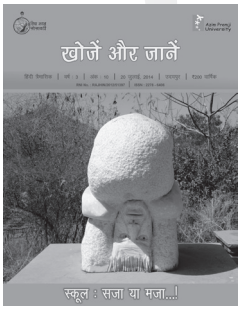

विद्या भवन पॉलिटैक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

नए प्रवेश

इस वर्ष राज्य में पॉलिटैक्निक की 50,000 सीटों पर मात्र 780 सीटें भरीं, जिसमें से 184 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में प्रवेश लिया। इस दृष्टि से महाविद्यालय में इस वर्ष की प्रवेश संख्या उत्साहजनक रही। प्रवेश के लिए विशेष प्रयासों में कार्यकर्ताओं ने उत्साह से भाग लिया।

समाज को मिलेंगे दक्ष तकनीशियन

एक तरफ जहां देश में हुनरमंद, योग्य एवं दक्ष तकनीकी कार्मिकों की कमी है, वहीं बड़े पैमाने पर युवा बेरोजगार हैं। भारत सरकार के 'नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क' से इन दोनों समस्याओं से निजात मिलेगी। देश के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पादन, जी.डी.पी. में बढ़ोतरी होकर समग्र विकास होगा। ये विचार नेशनल टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एवं रिसर्च इन्स्टीट्यूट (नाईटर, चण्डीगढ़) के प्रो. जे.एस. सैनी ने भारत सरकार की स्किल डवलपमेन्ट योजनाओं के संबंध में व्यक्त किए।

पॉलिटैक्निक सहित देश के विभिन्न राज्यों में स्किल डवलपमेन्ट सम्बन्धी पांच दिवसीय कार्यशाला को, आई.सी.टी. माध्यम से, सम्बोधित करते हुए सैनी ने कहा कि अब कोई भी व्यक्ति अनौपचारिक शिक्षण के माध्यम से भी निर्धारित हुनर व ज्ञान को अर्जित कर सकता है। कार्यक्रम में प्रो. वाई.के. आनन्द ने कहा कि वित्त मंत्रालय एवं मानव संसाधन मंत्रालय से सम्बन्धित नेशनल स्किल डवलपमेन्ट ऐजेन्सी के माध्यम से शीघ्र ही सभी को हुनर विकास के दस विभिन्न स्तरों को प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे।

अनुसंधान संवर्द्धन से देश का विकास

गुजरात के पूर्व मुख्य सचिव प्रवीण के. लाहेरी संकाय सदस्यों से मुखातिब हुए। लाहेरी ने कहा कि शोध व अनुसंधान कला के संवर्धन से ही देश का तकनीकी विकास होगा। राजस्थान में परम्परागत रूप से हैण्डीक्राफ्ट सहित विविध प्रकार के आर्ट एवं क्राफ्ट का हुनर है। इसे तकनीक के सहयोग से और बेहतर बनाया जा सकता है।

संवाद क्षमता बढ़ाने पर कार्यशाला

फैकल्टी की क्षमता संवर्द्धन हेतु महाविद्यालय में कम्युनिकेशन स्किल्स् पर पांच दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में लिसनिंग–स्पीकिंग–रीडिंग–राइटिंग, रेज्यूमे/सी.वी. बनाना, पत्र–लेखन, ग्रुप डिस्कशन की बारीकियों से सम्भागियों को अवगत कराया गया। इसी क्रम में अगस्त में 'रिन्यूएबल एनर्जी बेस्ड टैक्नोलॉजी' विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला हुई।

कैम्पस इंटरव्यू में विद्यार्थियों का चयन

पॉलिमर साइंस व रबर टैक्नोलॉजी विभाग के 4 विद्यार्थियों का बी.के.टी. टायर्स में चयन हुआ। उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के कारण उद्योग जगत विद्या भवन को वरीयता देता है। इसी प्रकार, सिविल एवं इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 7 विद्यार्थियों का एल एण्ड टी कंस्ट्रक्शन में तथा इलक्ट्रॉनिक्स के 7, इलैक्ट्रिकल के 8, इन्फॉर्मेशन टैक्नोलॉजी के 4 व कंप्यूटर साइंस के 5 विद्यार्थियों का मुद्राक्षी हाईटैक में तथा इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के 13 व इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 6 विद्यार्थियों का सिक्योर मीटर्स में एप्रेन्टिसशिप हेतु चयन हुआ।

14 नवप्रवर्तनशील प्रोजेक्ट निर्मित

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने नव–प्रवर्तनशीलता का प्रयोग करते हुए करीब 14 प्रोजेक्ट बनाए। ये प्रोजेक्ट मल्टी जोन फॉल्ट डिटेक्टर सिस्टम यूजिंग पीएलसीसी, पासवर्ड बेस्ड सर्किट ब्रेकर सिस्टम, रेडियो फ्रिक्वेंसी बेस्ड ऑटोमेटिक इरिगेशन सिस्टम, कंट्रोल ऑफ डिफरेंट पेरामीटर्स् ऑफ ग्रीन हाउस फॉर एनहान्स्ड प्रोडक्टिविटी, ऑटोमैटीक वायरलैस एनर्जी मीटर रीडिंग, फुल्ली ऑटोमैटिक इरिगेशन सिस्टम सेंसिंग सोयल मॉइश्चर कॉन्टेन्टस् यूजिंग आरएफ कम्यूनिकेशन, क्लाईंट सर्वर मॉडल मीडिया प्लेयर, ऑनलाईन मेडिक हेल्प एंड सोल्यूशन, वाईल्ड लाईफ अवेयरनेस एंड प्रोटेक्शन, ई–लर्निंग सिस्टम, वॉटर बिलिंग सिस्टम, सिविल मैनेजमेंट सिस्टम, क्राईम ऑटोमेशन एंड रिपोर्टिंग पर आधारित हैं। प्रोजेक्ट निर्माण के द्वारा विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता व नव–प्रवर्तनशीलता का प्रदर्शन व समूह में कार्य करने का अवसर मिला।

हुनर है तो बेरोजगारी नहीं

'ज्ञान और हुनर है तो कोई बेरोजगार नहीं रह सकता।' यह बात प्राचार्य अनिल मेहता ने संस्था के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह में कही। संस्था के पूर्व विद्यार्थी बी.एल. मंत्री ने कहा कि विगत 56 वर्षों में संस्था ने देश, दुनिया को श्रेष्ठ इंजीनियर दिए हैं। पूर्व विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष जी.पी. सोनी ने निरन्तर सीखते रहने की सलाह दी। पूर्व प्राचार्य बी.एल. जैन ने भी विचार रखे।

सामाजिकता खत्म कर रहा है मोबाईल

हर आयु वर्ग में मोबाईल एवं सोशल साइट्स् के उपयोग की लत बढ़ी है। इससे शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक समस्यायें बढ़ी हैं। यह विज्ञान एवं तकनीकी के संपूर्ण विकास के मूल उद्देश्यों के विपरीत है। ये विचार महाविद्यालय में 'अभियंता दिवस' पर पूर्व अधीक्षण अभियंता जी.पी. सोनी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इंटरनेट से सूचनाएं प्राप्त करने के साथ ही उपयोगकर्ता अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखे। कार्यक्रम का आयोजन

इंडियन सोसायटी फॉर टैक्निकल एजुकेशन, इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, स्टूडेंट चेप्टर तथा पूर्व विद्यार्थी संघ की ओर से किया गया।

शहरों को स्वच्छ बनाने पर मंथन

देश के नगरों को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। सेण्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली तथा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला में शहरों को कचरा, गंदगी, गंदे पानी, जल जनित बीमारियों जैसी समस्याओं से मुक्त करने के लिए देश भर से आए विशेषज्ञों ने सुझाव दिए।

गुजरात के युवाओं ने लिया प्रशिक्षण

विद्या भवन में गुजरात के नौ गांवों के युवाओं ने इलैक्ट्रिशियन कौशल का 800 घण्टे का प्रशिक्षण प्राप्त किया व स्वरोजगार से आजीविका अर्जित करने का संकल्प लिया। युवाओं को हाउस वायरिंग, घरेलू उपकरणों की मरम्मत, इण्डस्ट्रीयल वायरिंग तथा मोटर वाइन्डिग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को ऑन–जॉब ट्रेनिंग, गणित, अंग्रेजी व कम्प्यूटर ज्ञान भी दिया गया। प्रशिक्षण हजीरा एल.एन.जी. एण्ड पोर्ट, टोटल व विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र के सहयोग से आयोजित हुआ। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र, 32 प्रकार के उपकरणों का किट, सेफ्टी–किट दिए गए।

स्किल डवलपमेन्ट प्रशिक्षण

सी.डी.टी.पी. स्कीम के अन्तर्गत तीन प्रशिक्षण में कुल 87 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुए। उन्हें डाटा एण्ट्री ऑपरेटर, हाउस वायरिंग व घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत, मोबाईल रिपेयरिंग व ब्यूटी कल्चर के छह माही पाठ्यक्रम के तहत निःशुल्क रोजगारोन्मुखी स्किल डवलपमेन्ट प्रशिक्षण दिया गया।

ग्रामीण विकास के लिए सम्मान

ग्रामीण विकास व सामुदायिक विकास योजनाओं के लिए सी.डी.टी.पी. के सलाहकार सुधीर कुमावत को स्वतंत्रता दिवस पर गुलाब चन्द कटारिया द्वारा सम्मानित किया गया।

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

प्रदूषण मुक्त केन्द्र ने लुभाया

हजीरा से आए 27 विद्यार्थियों ने विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने प्रदूषण मुक्त केन्द्र को देखा तथा प्राकृतिक वातावरण में पाए जाने वाले कई प्रकार के जीव–जंतुओं व वनस्पति से अवगत हुए। ये विद्यार्थी पॉलीटैक्निक महाविद्यालय में तीन महीने का प्रशिक्षण लेने आए थे।

सेवा मंदिर कार्यकर्ताओं ने की ट्रेकिंग

सेवा मंदिर के कार्यकर्ताओं ने मुख्य संचालिका प्रियंका सिंह के नेतृत्व में केन्द्र का भ्रमण किया। कार्यकर्ताओं ने ट्रैकिंग की तथा इस दौरान विभिन्न प्रकार की वानस्पतिक प्रजातियों को जाना। उन्हें केन्द्र को बनाने का उद्देश्य तथा श्री जगत मेहता के योगदान से अवगत कराया गया।

अनुभव

...और वे कविताएं तलाशते हुए बन गए पुस्तकालय के नियमित पाठक

किसी कार्य को करते हुए यकायक जो परिस्थितियां पैदा होती हैं और जो सूझ-बूझ उस समय जागृत होती है वो अनायास ही नवीन विधियों से हमारा साक्षात्कार करा जाती है।

ऐसा ही कुछ अनुभव रहा महाविद्यालय में एक दिन! चूंकि मैं सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रमों की प्रभारी थी तो वर्ष भर के आयोजनों का जिम्मा मेरा ही था। एक दिन कविता पाठ प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद प्रतिभागियों के नाम आशा से कम आए; कारण जानना चाहा तो पता लगा कि उनके पास कविताएं नहीं हैं। समस्या छोटी परन्तु मूलभूत लगी!

मैंने तय किया कि प्रतियोगिता उस दिन न रख कर अगले रोज रखेंगे। उस दिन पुस्तकालय में जाकर जानेंगे कि साहित्यिक प्रतियोगिता के लिए विषयवस्तु ढूंढी कैसे जाती है? इसके साथ ही विद्यार्थियों से कुछ सामान्य प्रश्न और पत्रिकाओं के नाम पूछे तो वे निरुत्तर थे। स्नातक स्तर के विद्यार्थियों ने अपना चहुंमुखी विकास न किया तो वे इस वैश्विक युग में कैसे स्वयं को स्थापित कर पायेंगे।

वह पूरा दिन मैंने विद्यार्थियों के साथ पुस्तकालय में बिताया। विभिन्न विषयों पर अच्छे लेखकों की पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएं, विश्वकोष, गांधी दर्शन, सोसायटी के प्रकाशनों के साथ ही एक-एक अलमारी को टटोला गया। अखबारों के सम्पादकीय का महत्व बताया। छात्र-छात्राओं ने इतनी सुंदर कविताओं का चयन किया और जिस आनंद की अनुभूति उन्होंने की, उस रोमांच से मैं भी अभिभूत हुई।

मैंने महसूस किया कि कार्य के दौरान के अनुभव उसे बड़ा बना देते हैं। ऐसा ही इस कार्य में हुआ। सभी बच्चे स्व-अध्ययन के प्रति जागरूक व उत्सुक बनें इसके लिए हर महाविद्यालय में पुस्तकालय का एक पीरियड हो और शिक्षक भी साथ रहें। इससे विद्यार्थियों के मन में उठने वाले बहुत से प्रश्नों का त्वरित समाधान मिल सकेगा।

-डॉ. सरिता जैन
विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

विद्या भवन गोविन्द राम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

कमियों पर मंथन, आगे की तैयारी

महाविद्यालय में सत्र 2014–15 के लिए विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श व योजना बनाने के लिए संकाय सदस्यों के साथ निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठकें हुईं। पूर्व सत्र की रिपोर्ट, समस्याएं, कमियों पर मंथन हुआ तथा इस आधार पर आगामी सत्र की योजनाएं तैयार की गईं। प्रमुख निर्णय निम्नलिखित हैं– वर्ष पर्यन्त ट्यूटोरियल कक्षाएं संचालित कर प्राध्यापक छात्राध्यापकों की शैक्षिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान में मदद करेंगे। अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क करेंगे। सेवा प्रसार विभाग के अंतर्गत प्रत्येक प्राध्यापक लैब एरिया के रूप में एक विद्यालय का चयन कर उसकी शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति में मदद करेगा। सी.टी.ई. के अंतर्गत अनुसंधान प्रोजेक्ट पूर्ण करेंगे। सत्र के प्रारम्भ में बी.एड. विद्यार्थियों की विषय–दक्षता जांचने हेतु पूर्व परीक्षा ली जाएगी। सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के लिए प्रत्येक यूनिट के अध्यापन के पश्चात् आंतरिक मूल्यांकन का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कार्यक्रम, सहशैक्षिक गतिविधियां, विभिन्न विषयों के विभाग, लैब, संपादन विभाग, आंतरिक अभिक्षमता संवर्द्धन कार्यक्रम, छात्र संघ और नैक के लिए योजना तैयार की गई। शोध, नवाचार, ऑन साइट सपोर्ट, रिसोर्स सेण्टर, हर्बल पार्क निर्माण, मौसम प्रेक्षणशाला निर्माण, विषय–वस्तु आधारित प्रश्न–पत्र निर्माण एवं योग की कक्षाओं के आयोजन संबंधी निर्णय भी लिए गए।

शेयरिंग-केयरिंग का रिश्ता बनाएं

सेवाप्रसार विभाग की ओर से आयोजित व्याख्यानमाला में गुजरात सरकार के पूर्व मुख्य सचिव प्रो. प्रवीण भाई ने शिक्षक को विद्यार्थियों के साथ 'शेयरिंग एंड कैयरिंग' का सम्बन्ध विकसित करने की बात की। "'शिक्षक–शिक्षा में चुनौतियां" विषय पर उन्होंने कहा कि हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था से निकलकर शहरी एवं औद्योगिक अर्थव्यवस्था की ओर जा रहे हैं, जिससे आमदनी तो बढ़ी है किन्तु मनुष्य के हृदय पाषाण होते जा रहे हैं। पढ़े–लिखे लोगों में संवेदनाएं कम हो रही हैं। उन्होंने भावी पीढ़ी को संवेदनशील नागरिक बनाने का शिक्षकों का आह्वान किया।

बी.एड., एम.एड. विद्यार्थियों का स्वागत

नवीन सत्र में एम.एड. के 36 व बी.एड. के 180 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। स्वागत एवं अभिविन्यास कार्यक्रम में निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। प्रो. एम.पी. शर्मा ने विद्यार्थियों को विद्या भवन के इतिहास, दर्शन एवं लक्ष्य से अवगत करवाया। उन्होंने एम.एड. एवं बी. एड. पाठ्यक्रम, विषयवस्तु एवं मूल्यांकन प्रक्रिया भी बताई। विद्यार्थियों ने समूह में महाविद्यालय परिसर, विभिन्न विभागों एवं पुस्तकालय का अवलोकन किया। विद्यार्थियों को संस्थान के इतिहास एवं कार्यशैली से अवगत कराने के लिए विद्या भवन पर बनी फिल्म 'सतत् प्रयास' भी दिखाई गई।

व्यक्ति के विकास में संस्था महत्वपूर्ण

नवप्रवेशित एम.एड. एवं बी.एड. के विद्यार्थियों का स्नेह–मिलन कार्यक्रम बेसिक स्कूल परिसर, रामगिरी में हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. कय्यूम अली बोहरा ने कहा कि संस्था व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में अत्यधिक महत्त्व रखती है। ज़िम्मेदार और संवेदनशील शिक्षक तैयार करने में विद्या भवन लम्बे अर्से से अपनी भूमिका निभाता आ रहा है। निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने परस्पर एक–दूसरे की समझ विकसित करने पर जोर दिया। प्रो. एम.पी. शर्मा ने कहा कि अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम व्यवसायिक शिक्षा से सम्बन्धित शिक्षा व शिक्षण और उसके अनुभवों से जुड़ा है, जिसमें सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों आयामों की अपनी महत्ता है। इस मौके पर खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए।

सी.टी.ई. कार्यशालाओं में 7 जिलों के 150 वरिष्ठ अध्यापक आए

महाविद्यालय में सी.टी.ई. के अन्तर्गत सेवारत शिक्षकों के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं हुईं। कार्यशालाओं में राजस्थान के सात जिलों से 150 वरिष्ठ अध्यापकों ने भाग लिया। संदर्भ व्यक्तियों व विषय–विशेषज्ञों ने गतिविधियों के माध्यम से आपदा प्रबंधन, पुस्तकालय प्रबंधन, क्रियात्मक अनुसंधान, जेण्डर संवेदनशीलता, मूल्य शिक्षा, शैक्षिक तकनीकी, सतत् एवं समग्र मूल्यांकन एवं जीवन कौशलों पर समझ विकसित करने का प्रयास किया।

इनहाउस अकादमिक समिति की बैठक

महाविद्यालय में "इनहाउस अकादमिक समिति" की बैठक निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर की अध्यक्षता में हुई। संकाय सदस्यों के साथ ही विद्या भवन गांधी अध्ययन शिक्षा संस्थान तथा विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी. के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य शिक्षण संस्थानों के संयुक्त विकास हेतु योजनाएं बनाने के लिए पृष्ठभूमि तैयार करना, पहल करना और संस्था के लक्ष्य एवं

उद्देश्य निर्धारित कर उसे कार्यरूप में परिणित करना था।

विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम

शिक्षण अभ्यास कार्यक्रम से पूर्व बी. एड. के विद्यार्थियों में विद्यालय के वातावरण एवं कक्षा–शिक्षण के बारे में समझ विकसित करने के उद्देश्य से विद्यालय अवलोकन हुए। 12 स्कूलों में 18–18 विद्यार्थियों के समूह पर्यवेक्षक के साथ अवलोकन को गए। हर विद्यार्थी ने शाला प्रबंधन, भौतिक व मानवीय संसाधन, कक्षा–शिक्षण, अध्यापक–विद्यार्थी सम्बन्ध एवं अंतःक्रिया जानी। अवलोकन के पश्चात् पर्यवेक्षकों द्वारा अपने समूह में चर्चा की गई।

डॉ. विश्व विजया सिंह सेवानिवृत्त

'विद्या भवन खोज–ख़बर' के सम्पादक मण्डल की 11 वर्ष तक सदस्य रहीं डॉ. विश्व विजया सिंह 30 जून 2014 को विद्या भवन से सेवानिवृत्त हुईं। डॉ. सिंह करीब साढ़े चार दशक तक विद्या भवन में शिक्षण, प्रशासन एवं प्रकाशनों से जुड़ी रही हैं। वे 1970 में बतौर अध्यापिका विद्या भवन सी.सै. स्कूल से जुड़ीं और नर्सरी व जूनियर स्कूल की प्रधानाध्यापिका रहीं। उन्होंने स्कूल की पत्रिका 'गुंजन' का सम्पादन किया। विद्या भवन विद्या बन्धु संघ के वार्षिक जर्नल 'विद्या बन्धु मुखपत्र' का 11 वर्ष सम्पादन किया। 2001 से 2014 तक विद्या भवन सेफ्टी कन्सर्न सेण्टर की समन्वयक रहते हुए आपने विद्यार्थियों को साथ लेकर जन–जागृति के अनुकरणीय कार्य किए। आपने सेण्टर की पत्रिका 'दो टूक बात' का 9 वर्ष सम्पादन किया। 'खोज–बीन' में सह–सम्पादक तथा 'बुनियादी शिक्षा' व 'खोजें और जानें' के सम्पादक मण्डल की सदस्य रही हैं। एम.एड. और शिक्षा में पीएच.डी. डॉ. सिंह के लेख देश की प्रतिष्ठित शैक्षिक पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं, जिनमें हिन्दी व अंग्रेज़ी भाषा के साथ ही शिक्षा के विभिन्न पक्षों पर आपकी गहरी समझ से पाठक लाभान्वित हुए हैं। आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ ही आशा है कि विद्या भवन परिवार से आपका जुड़ाव सदैव बना रहेगा।

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण

नवीन सत्र नवागंतुकों के स्वागत के साथ प्रारंभ हुआ। तीन चरणों की प्रवेश प्रक्रिया के पश्चात् कला, विज्ञान तथा वाणिज्य वर्ग में 70, 20 तथा 10 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया और सभी 100 सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश पूर्ण हो गया है। अभिविन्यास कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को संकाय सदस्यों द्वारा वर्ष पर्यन्त संचालित होने वाली शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों से अवगत कराया गया।

विजन एवं मिशन पर चर्चा

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ दिलीप रांजेकर द्वारा दिए गए संस्थागत कार्ययोजना प्रारूप पर चर्चा की गई। विजन और मिशन का अर्थ एवं अन्तर, विजन और मिशन स्थाई अथवा समय के साथ परिवर्तनशील, एक मातृसंस्था के विभिन्न संस्थानों के विजन भिन्न हों अथवा समान, जैसे बिंदुओं पर आपसी चर्चा के माध्यम से समझ बनाई गई। संस्थान के विजन 'स्व व समाज के समस्वरित विकास' के संबंध में यह सुझाव आया कि संकाय सदस्य गांधी के समस्वरित विकास के विचार का गहन अध्ययन करें, वर्तमान संदर्भ में समझें तथा विकास के इंडिकेटर्स् तय करें।

समीक्षा बैठकें व योजना पर चर्चा

महाविद्यालय के सभी विभागों के भौतिक सत्यापन का कार्य पूर्ण किया गया। प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठकें हुईं जिनमें गत वर्ष के सैद्धान्तिक कार्यक्रम, अध्यापन अभ्यास, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ब्लॉक प्रैक्टिस टीचिंग, वनशाला शिविर, कार्य–शिक्षा, विद्यार्थी परिषद् का फिडबैक लिया गया तथा नए सत्र की योजना बनाई।

व्यावहारिक हो शिक्षक प्रशिक्षण

अध्यापन अभ्यास को बेहतर बनाने तथा शाला प्रधानों की शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों से अपेक्षाएं जानने के उद्देश्य से विद्यालय प्रधानों के साथ शैक्षिक संवाद हुआ, जिसमें 14 प्राचार्य शामिल हुए संवाद में शाला प्रधानों ने 5–5 बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों को पड़ोस के विद्यालयों में विभाजित कर वर्ष पर्यन्त फील्ड में पूर्णकालिक अध्यापन अनुभव प्राप्त कर प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने का सुझाव दिया। महाविद्यालय के संकाय सदस्य, विद्यार्थी, शाला प्रधान व विद्यालय के विषय अध्यापकों के मध्य योजना बनाकर फीडबैक लिया जाए तो बी.एड. प्रशिक्षण व व्यावहारिक विद्यालय अनुभव के मध्य अन्तर को कम किया जा सकता है। संस्था प्रधानों ने उच्च कक्षाओं में विद्यार्थियों की असफलता का मूल कारण प्राथमिक कक्षाओं में आधारभूत सिद्धान्तों की स्पष्ट समझ विकसित न हो पाना बताया। उन्होंने महाविद्यालय विद्यार्थियों के माध्यम से भाषा, गणित व विज्ञान के आधारभूत संप्रत्ययों को विद्यालय के विद्यार्थियों को स्पष्ट करने की अपेक्षा जताई। संयोजन यतीन कुमार चौबीसा ने किया।

मौलिक लेखन व तार्किकता बढ़े

महाविद्यालय में हिन्दी सप्ताह मनाया गया। डॉ. सुयश चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों से दिवस विशेष पर ही हिन्दी को स्मरण न कर मौलिक लेखन व संवाद के साथ ही तार्किकता का सतत् अभ्यास करना आवश्यक बताया। आशुभाषण प्रतियोगिता में ललित चौबीसा ने प्रथम, पूजा जोशी ने द्वितीय एवं प्रभा राठौड़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में सुरेन्द्र चारण प्रथम, अल्ताफ हुसैन, पूजा जोशी व जितेन्द्र डांगी द्वितीय तथा मनोज मेघवाल तृतीय स्थान पर रहे। 'हिन्दी की स्थिति एवं उत्थान' विषयक पैनल–चर्चा में हिन्दी की व्युत्पत्ति, वर्तमान स्थिति, अंग्रेजी को महत्त्व देने, हिन्दी में सरल अनुवादित

साहित्य की अनुपलब्धता जैसे मुद्दों को उठाया गया। विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के विकास के लिए छोटे–छोटे व्यक्तिगत प्रयासों, भाषा के चयन की स्वतंत्रता, सरलीकृत शब्दावली के प्रयोग द्वारा भाषा को व्यवहारिक बनाने तथा उच्च शिक्षा में हिन्दी को अनिवार्य रूप में सम्मिलित करने की अनुशंसाएं कीं। प्राचार्य डॉ. सुगन शर्मा ने भी विद्यार्थियों से अच्छा साहित्य पढ़ने तथा कक्षाओं में मौलिक लेखन व चिंतन करने के अवसरों का सृजन करने का आग्रह किया।

युवा प्रेरणा प्रतियोगिता में सहभागिता

राज्य स्तरीय युवा प्रेरणा प्रतियोगिता के अन्तर्गत वस्तुनिष्ठ परीक्षा में महाविद्यालय के 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विवेकानंद केन्द्र, कन्याकुमारी की उदयपुर शाखा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को केन्द्र की ओर से प्रमाण पत्र तथा 'सफल युवा समर्थ भारत' पुस्तक दी गई।

बेसिक स्कूल में हुए फाईनल लैसन

फाईनल लैसन विद्या भवन बेसिक स्कूल में हुए। विद्यार्थियों ने अपने परिवेश से जुडे संप्रत्ययों का समावेश करते हुए पाठ–योजना बनाई तथा पैनल–चर्चा, प्रयोग, पावर पॉइण्ट प्रदर्शन व नाटक विधि से प्रस्तुतियां दीं।

वृद्धाश्रम व्यवस्था पर वाद-विवाद

"वृद्धाश्रम व्यवस्था कितनी उचित" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें 82 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पक्ष में विद्यार्थियों ने कहा कि आर्थिक स्थिति ठीक ना होने तथा बच्चों के विदेश चले जाने पर अकेले रह जाने की स्थिति में हमउम्र लोगों के साथ व उचित देखरेख हेतु वृद्धाश्रम व्यवस्था उचित है। विपक्ष में विद्यार्थियों का तर्क था कि सीमित संसाधन व कमजोर आर्थिक स्थिति के बावजूद जिन्होंने बच्चों को अच्छा जीवन दिया ऐसे बुजुर्गों की सेवा से यश, बल और आयु में वृद्धि भारतीय संस्कृति की मान्यता है। अनुभवों की खान बुजुर्गों को हमारा प्यार व साथ चाहिए, अतः वृद्धाश्रम बंद किए जाने चाहिए।

महाविद्यालय में पौधरोपण

महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने परिसर में पौधरोपण किया। संकाय सदस्य तारा कुमावत के संयोजन में पौधरोपण के साथ ही उनके संरक्षण व संवर्द्धन की जिम्मेदारी ली गई। 'एक पेड़ एक जिन्दगी' अभियान के तहत दैनिक भास्कर व गोल्ड क्लब की ओर से 100 पौधे उपलब्ध कराए गए थे।

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

जिले को मिलेंगे फलदार पौधे

कुछ ही सालों में के.वी.के. जिले भर को फलदार पौधे उपलब्ध कराएगा। इस दिशा में केन्द्र को और विकसित करने के लिए लुधियाना, हैदराबाद, नागपुर, राहुरी सहित देश के विभिन्न कृषि अनुसंधान संस्थानों से संतरा, किन्नों, सीताफल, अमरूद, अनार, आम, नींबू व मौसम्बी के मातृ–पौधे लाए गए हैं।

खेती व पशुपालन के प्रशिक्षण

केन्द्र की ओर से किसानों, किसान महिलाओं, ग्रामीण युवा और प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए विभिन्न प्रशिक्षण हुए, जिनमें 1355 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। केन्द्र पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण, फील्ड में एक दिवसीय 29 प्रशिक्षण व 2 प्रायोजित प्रशिक्षण हुए। इनमें फसलें, सब्जी व बागवानी, पशुपालन, सिंचाई तथा महिलाओं के लिए रोजगार की जानकारी दी गई।

बांझपन निवारण कार्यक्रम

पशुओं में बांझपन निवारण कार्यक्रम के तहत् मिराज गौशाला के 600 पशुओं को सिंक्रोनाइजेशन ऑफ ऑइस्ट्रस की विधि से ग्याभित किया गया। इन पशुओं का साप्ताहिक परीक्षण कर उपचार किया जा रहा है। गौशाला की प्रबंध व्यवस्था में सुधार कर उत्पादन दोगुना करने का प्रयास किया जा रहा है।

मुर्गियों से बढ़ेगी आजीविका

ट्राइबल सब प्लान के अंतर्गत "प्रताप धन" मुर्गियों द्वारा आजीविका बढ़ाने के लिए बछार (गिर्वा), पड़ावली खुर्द एवं मादड़ा (दोनों गोगुन्दा) गांवों का चयन किया गया। यहां 1000 परिवारों को 6 माह के 25 चूजे दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना प्रदर्शनी

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत खरीफ–2014 में किसानों को तिल की उन्नत किस्म आर.टी.–127, आर.टी.–346 एवं उड़द की किस्म पी.यू.–31 का 100–100 किसानों के खेतों में प्रदर्शन किया गया। आई.सी.ए.आर. फसल प्रदर्शन के तहत् ग्वार की उन्नत किस्म आर.एस.जी.–1003, आर.एस.जी–1017 का 50 किसानों एवं सोयाबीन की उन्नत किस्म जे.एस. 95–60 का 25 किसानों के खेतों में प्रदर्शन किया गया।

वैज्ञानिक तकनीक से बीज उत्पादन

रबी की फसलों में वैज्ञानिक विधि से बीज उत्पादन के दो प्रशिक्षण हुए, जिनमें 72 किसानों ने भाग लिया।

फसलों का प्रदर्शन व अवलोकन

मक्का, चारा फसलें, मूंगफली, ग्वार, बैंगन, टमाटर, आल, तुरई, करेले एवं भिण्डी की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया गया। केन्द्र पर विभिन्न कार्यक्रमों में आने वाले जिले के किसानों ने इनका अवलोकन किया।

विद्या भवन कला संस्थान (बी.एस.टी.सी.)

परीक्षा एवं फाईनल लैसन

विभागीय परीक्षाएं शिक्षा विभाग, बीकानेर के आदेशानुसार हुईं। प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के 93 छात्राध्यापकों के फाईनल लैसन– प्रायोगिक परीक्षा रा.उ.प्रा. विद्यालय नीमचखेड़ा में हुई। बी.एस.टी.सी. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण तथा सत्रीय परीक्षाएं भी आयोजित की जा रही हैं।

संस्था प्रधानों की बैठक

नए सत्र से प्रथम वर्ष में नवीन पाठ्यक्रम लागू किया गया है। विद्यार्थी–शिक्षक 'विद्यालय अनुभव कार्यक्रम' के अन्तर्गत 50 दिवस तक विद्यालयों में शिक्षण कार्य करेंगे। डाईट द्वारा संस्था को आंवटित विद्यालयों के संस्था प्रधानों हेतु दो दिवसीय विद्यालय अनुभव के अन्तर्गत उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई।

संस्थान की अकादमिक बैठक

अकादमिक बैठक में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में संस्थान की गुणवत्ता एवं पर विचार रखे गए। बैठक में वर्ष भर एक–दो फिल्म प्रदर्शन एवं सभी विषयों में कम–से–कम एक कार्यशाला या प्रोजेक्ट कार्य कराने पर सहमति हुई। संस्थान के विजन एवं मिशन पर भी चर्चा हुई।

उत्सव एवं जयन्तियां

tUek"Veh ioZ%& जन्माष्टमी का पर्व रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों द्वारा कृष्ण परिचय, भजन, कथाएं, श्लोक एवं गीतों की प्रस्तुतियां दी गईं।

lLÑr fnol%& संस्थान में संस्कृत दिवस पर छात्राध्यापकों ने संस्कृत गीत, संस्कृत श्लोक सहित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्या ने संस्कृत भाषा को व्यवहार में प्रयोग करने की प्रेरणा दी।

estj /;kupUn t;Urh%& हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द की जयन्ती (राष्ट्रीय खेल दिवस) का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्राध्यापकों ने ध्यानचन्द का जीवन परिचय, उनके जीवन से सम्बन्धित घटनाएं एवं खेल जीवन में ऊंचाइयों को छूने हेतु किए गए प्रयासों के बारे में बताया।

f'k{kd fnol%& शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन के जीवन परिचय एवं उनके शिक्षण कार्यकाल की उपलब्धियां बताई गई। व्याख्याता आरती गुप्ता ने शिक्षा के महत्त्व एवं जीवन में संस्कारों की अनिवार्यता के बारे में बताया। इस मौके पर व्याख्याता दुर्गा कुमावत एवं हेमन्त त्रिवेदी ने भी विचार रखे।

शनिवारीय गतिविधियां

fucU/k izfr;ksfxrk%& शनिवारीय गतिविधियों के अन्तर्गत निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के छात्राध्यापकों में प्रथम पश्यन्ती अखावत, द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से भावना डांगी एवं महिमा जैन ने प्राप्त किया। द्वितीय वर्ष (पूर्व) में प्रथम लोकेश्वरी कलाल रही।

jk[kh cukvks izfr;ksfxrk%& द्वितीय शनिवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता में प्रत्येक छात्र को अपनी राखी बनाना आवश्यक था। छात्राध्यापिकाओं में प्रथम ईशिता शर्मा ने तथा छात्राध्यापकों में प्रथम स्थान पंकज कुमार ने प्राप्त किया।

izsjd izlax izfr;ksfxrk%& प्रार्थना सभा में बोले जाने वाले प्रेरक प्रसंगों में गुणात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से प्रेरक प्रसंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में समस्त छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य थी। प्रथम स्थान पर महेन्द्र कुमार दमामी रहे।

,dy xhr izfr;ksfxrk%& एकल गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंकज मेघवाल ने प्राप्त किया।

dksykt izfr;ksfxrk%& कोलाज प्रतियोगिता में विषय वस्तु गणपति महोत्सव दी गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रेड हाउस का रहा।

izkFkZuk lHkk dk;ZØe%& प्रार्थना सभा की श्रेष्ठता पर लेखन प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष के मोहित जाखड़ प्रथम रहे।

vk'kqHkk"k.k izfr;ksfxrk%& हिन्दी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता में प्रथम इन्द्रधनुष व्यास रहे।

खेलकूद

okWyhckWy%& प्रत्येक गुरुवार को खेलकूद अनिवार्य कर दिया गया है। शुभारंभ वॉलीबाल से हुआ। उद्घाटन मैच में स्टाफ सदस्यों की भी सहभागिता रही। कुल छः हाउस बनाए गए।

dcM~Mh%& छात्राध्यापिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता हाउस इन्चार्ज द्वारा नियमों की जानकारी से प्रारंभ हुई। प्रथम स्थान ग्रीन हाउस एवं द्वितीय स्थान पर यलो हाउस की छात्राध्यापिकाएं रहीं। इसी प्रकार छात्राध्यापकों की छः परिषदों के मध्य कबड्डी प्रतियोगिता हुई। प्रथम स्थान रेड हाउस एवं द्वितीय स्थान ब्ल्यू हाउस ने प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक खेल प्रभारी डॉ. मोहन लाल जाट एवं हेमन्त त्रिवेदी थे।

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र

www.vberc.org

शिक्षा व दर्शन से संबंधित प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ एस.सी.ई.आर.टी. के साथ केन्द्र द्वारा डी.एड. दूरस्थ शिक्षा के लिए बनाई गई पाठ्यसामग्री पर सात दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। 100 प्रतिभागियों के साथ शिक्षा दर्शन विषय से संबंधित पश्चात्य व भारतीय दार्शनिकों, शैक्षिक दस्तावेजों में सीखने व समाज की अवधारणा, धार्मिक व दर्शनिक परम्पराओं में 'व्यक्ति' की अवधारणा आदि मुद्दों पर संवाद किया गया। 'आधुनिक विश्व में शिक्षा' नामक विषय में आधुनिकीकरण, औद्योगिकीकरण, लोकतांत्रीकरण व वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं व इसका शिक्षा के साथ संबंध जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इसी तरह की विषयाधारित चर्चाएं भाषा, गणित व पर्यावरण अध्ययन विषयों में भी हुई।

इनस्टेप का अकादमिक समन्वयन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, इंटेल एवं यू.एस.ए.आई.डी. के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली में आयोजित इनस्टेप कार्यक्रम का अकादमिक समन्वयन विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र ने किया। डॉ. एच.के. दीवान ने गणित, प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री ने भाषा एवं प्रो. कमल महेन्द्रू ने विज्ञान विषयों के संदर्भ व्यक्तियों की भूमिका निभाई। यह एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम का हिस्सा था जिसके तहत भारत से 50 शिक्षक प्रशिक्षकों को तीन माह की अवधि के लिए अमेरिका जाकर कोर्स वर्क पूरा करना है। उन्हें तैयार करने के प्रयोजन से यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम हुआ। इस दौरान शिक्षा से सम्बन्धित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न दस्तावेजों पर समझ विकसित करने का प्रयास किया गया। अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था में प्रयुक्त शिक्षण पद्धतियों पर चर्चा के साथ ही भारतीय शिक्षा के संदर्भ में उन पद्धतियों के प्रयोग व गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के आयामों पर चर्चा की गई।

अंग्रेजी विषय पर क्षमतावर्द्धन

विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र में अंग्रेजी भाषा पर कार्यशाला हुई। कार्यशाला का उद्देश्य केन्द्र में अंग्रेजी भाषा की टीम तैयार करना था जो अंग्रेजी विषय की प्रकृति और स्वरूप को समझने के साथ अच्छे टेक्स्ट की समझ हासिल करे और भविष्य में अंग्रेजी के सत्र संचालित कर पाए। कार्यशाला में प्रो. रमाकान्त अग्निहोत्री ने अंग्रेजी के वर्णों, ध्वनि, उच्चारण, स्थान, घोष–अघोष आदि अवधारणाओं पर बात की। प्रतिभागियों ने टेक्स्ट का विश्लेषण भी किया।

एन.सी.एफ. 2015 के लेखन में भागीदारी

एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा एन.सी.एफ. 2005 की समीक्षा हेतु विभिन्न कमेटियां बनाई गई है। समीक्षा के साथ एन.सी.एफ. 2015 के लेखन का काम प्रस्तावित है। केन्द्र से डॉ. हृदयकान्त दीवान व्यवस्थागत सुधार एवं प्रसून कुमार आंकलन कमेटी का हिस्सा हैं। इस पर आधार–पत्र लिखने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

स्वअधिगम सामग्री का लेखन

बिहार राज्य के लिए दूरस्थ शिक्षा में डी.एड. कोर्स की स्वअधिगम सामग्री का लेखन कार्य किया गया। भाषा, गणित, शिक्षा के परिपेक्ष्य व कला शिक्षा की सामग्री का निर्माण केन्द्र की उदयपुर एवं पटना की संयुक्त टीम ने पूरा किया। सितम्बर में पटना डाइट के संकायों के साथ एस.सी.ई.आर.टी. पटना में भाषा उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई। संचालन विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र ने किया। इसमें बच्चों की भाषा सीखने की क्षमता, भाषा की संरचना और भाषाई गतिविधियों पर चर्चा हुई।

अनुभव व चुनौतियों को किया साझा

गत त्रैमास में केन्द्र में विभिन्न अतिथियों का आगमन हुआ जिनके साथ केन्द्र के सदस्यों ने बातचीत के दौरान अपने कार्यों, अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया। 27 जुलाई को एक्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य धीरेन्द्र मेहता एवं 1 अगस्त को बोर्ड ऑफ कंट्रोल के सदस्य कुलभूषण कोठारी शिक्षा केन्द्र आए एवं यहां के काम एवं चुनौतियों को समझा।

इसी क्रम में रिलायंस के रमणमूर्ति भी केन्द्र में आए। यहां के काम के प्रस्तुतीकरण के साथ ही उन्होंने पूर्वी गोदावरी के 10 प्राथमिक विद्यालयों के साथ प्रस्तावित काम के बारे में चर्चा कर आगामी योजना बनाई गई।

विप्रो से अविनाश भी विद्या भवन प्रवास पर थे। इस दौरान केन्द्र के काम को समझने के साथ उन्होंने 'विप्रो अपलाईंग थॉट्स इन स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन' परियोजना के तहत किए गए कार्यों का जायजा लिया। वे विद्या भवन पब्लिक स्कूल, विद्या भवन बेसिक स्कूल और विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान भी गए और वहां स्कूली शिक्षा तथा जनप्रतिनिधियों के क्षमता संवर्द्धन के काम को समझा।

गणित की संरचना को समझा

केन्द्र के दो सदस्यों ने आर.आई.ई., अजमेर में बी.एससी.–बी.एड. कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति के रूप में अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित छः दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को गणित की प्रकृति एवं संरचना को समझने और अवधारणाओं को इसके सापेक्ष में देखने का मौका देना एवं गणित में उभरे नवीन शिक्षण शास्त्रीय मुद्दों के प्रति अपना नजरिया विकसित करना था।

कार्यशाला में गणित शिक्षण, बच्चों द्वारा की गई गलतियों का विश्लेषण एवं कक्षा में इनकी महत्ता आदि मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। इसके बाद अजमेर के पांच स्कूलों का चयन किया गया जहां ये विद्यार्थी इन्टर्नशिप करेंगे।

विद्या भवन स्थानीय स्वशासन एवं उत्तरदायी नागरिकता संस्थान

www.vbilsgrc.org

नब्बे फीसदी महिलाएं हिंसा की शिकार

लगभग 90 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी प्रकार से हिंसा की शिकार हुई हैं। इसमें शारीरिक हिंसा, आर्थिक हिंसा, लैंगिक भेदभाव शामिल हैं। यद्यपि 93 प्रतिशत महिलाओं ने शारीरिक हिंसा को ही हिंसा माना है। संस्थान में अमेरिका से आई एफ.एस.डी. इन्टर्न किम्बरली कोल्विट्ज ने उदयपुर जिले की आदिवासी महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के कारणों व उनके समाधान पर अध्ययन किया। उन्होंने 8 गांवों में 35 लोगों के साक्षात्कार किए। सुधार के लिए महिला हिंसा संबंधी कानूनों की जानकारी देना, प्रशिक्षणों में पुरुषों को शामिल करना, गांव के मुखियाओं की सहमति से कमेटी का गठन सुझाया।

ड्रॉप आउट का कारण स्कूल की दूरी

स्कूल से वंचित रहने के प्रमुख कारणों में स्कूल का दूर होना तथा बाल विवाह होना है। '6–14 वर्ष की बालिकाओं का ड्रॉपआउट व उनकी शिक्षा के संभावित उपाय' विषय पर एफ.एस.डी इन्टर्न डेनियल जिलोट के अध्ययन में यह बात आई। अध्ययन में बड़गांव, गोगुन्दा, कोटड़ा के 30 उत्तरदाता शामिल थे।

भूताला में संस्थान का सम्मान

संस्थान द्वारा जनप्रतिनिधियों की क्षमता संवर्द्धन और समुदाय की जागरूकता हेतु सघन कार्य किया जा रहा है। ग्राम सभा, वार्ड सभा के आयोजन व लोगों की भागीदारी में सहयोग दिया जा रहा है। इन कार्यों के लिए भूताला के सरपंच ने स्वतत्रंता दिवस पर सह–निदेशक हेमराज भाटी, क्षेत्रीय समन्वयक मणिलाल तेजोत व पंचायत मित्र ईश्वर लाल मेघवाल को सम्मानित किया।

युवाओं ने ली बदलाव की जिम्मेदारी

संस्थान के सघन कार्यक्रम में रामा पंचायत के गांव झिण्डोली में सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन किया गया। गांव में ट्रांजेक्ट वॉक किया गया तथा ग्रामवासियों के साथ मिलकर सोशल मैपिंग, रिसोर्स मैपिंग, वेन आरेख, वैल्थ रैंकिंग की गई। स्वच्छता की कमी, बीमारियों का फैलाव, योजनाओं का लाभ न मिलने की समस्याएं सामने आई। पंचायत स्तर पर कौशल विकास के प्रशिक्षण के लिए नाम लिखने व योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए गांव के युवाओं ने जिम्मेदारी ली।

50 फीसदी रहे महिला आरक्षण

सराड़ा में संस्थान द्वारा आयोजित पंचायत मेले में प्रधान रेशमा मीणा ने कहा कि पंचायतीराज में महिला आरक्षण 50 प्रतिशत रहना चाहिए। आरक्षण से ही राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। उपस्थित पंचों ने भी समर्थन किया। त्रैमास में संस्थान ने 5 पंचायत मेले व महिला सम्मेलन आयोजित किए।

विद्या भवन फैकल्टी डवलपमेंट कमेटी

फैकल्टी डवलपमेंट कमेटी की असाइन्मेण्ट्स् व शोध संबंधी क्षमतावर्द्धन पर बैठकें हुईं। विद्यालय समूह के लिए पूर्व में हुई क्षमतावर्द्धन कार्यशाला के क्रम में असाइन्मेण्ट्स् तैयार किए गए। इन पर कमेटी की बैठक में सदस्यों एवं संदर्भ व्यक्तियों से फीड–बैक लेकर आवश्यक बदलावों के बाद सभी विद्यालयों को असाइन्मेण्ट्स् भिजवाए गए। शिक्षक सितम्बर के अन्त असाइन्मेण्ट्स् पूरे करेंगे। इसी प्रकार, महाविद्यालय समूह के लिए हुई शोध कार्यशाला के फॉलोअप के लिए महाविद्यालयों से चर्चा की रूपरेखा तैयार की गई। विद्या भवन गो.से. शिक्षक महाविद्यालय और कला संस्थान बी.एस.टी.सी. के साथ तथा विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, पॉलिटैक्निक और गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान के साथ बैठकें हुईं। संकाय सदस्यों से रुचि के अनुसार क्षमतावर्द्धन की दृष्टि से आवश्यक शोध के विषय आमन्त्रित किए गए थे। कमेटी को प्राप्त विषयों का वर्गीकरण किया जा रहा है, जिससे बाद में विषयवार समूह बना कर कार्यशालाए की जाएंगी। शोध में सांख्यिकीय समझ पर नवम्बर में तथा विद्यालय समूह, समुदाय विकास समूह तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों की फॉलोअप कार्यशालाएं नवंबर में प्रस्तावित है।

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004
Phone : 0294-2451497
e-mail : *vbkhojkhabar@gmail.com*

To,

....

....

....

....

izdk'kd % fo|k Hkou f'k{kk lanHkZ dsUnz] Mk- eksgu flag egrk ekxZ] fo-Hk- lkslk;Vh ifjlj] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2451497
eqnzd % pk/kjh vkWQlsV] 11&12 xq# jkenkl dkWyksuh] ,e-ch- dkWyst ds lkeus] mn;iqj ¼jkt-½ Qksu % 0294&2584071